

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं । 235) नई विल्ली, मंगलवार, विसम्बर 21, 1976/प्रग्रहायण 30, 1898

No. 235] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 21, 1976/AGRAHAYANA 30, 1898

इस भाग में भिन्न पष्ट संस्था दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be tiled as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RESOLUTION

New Delhi, the 21st December 1976

No. U-13019/11/76-GP.—The township of Auroville has been founded on the basis of Charter announced by the Mother on the 28th February, 1968. The Government of India and a number of State Governments have contributed substantially to the project of development of Auroville. The Auroville project was also sponsored at the initiative of the Government of India by resolutions passed by the General Conference of UNESCO held at Paris in 1966, 1968 and 1970. The Government of India have, therefore, a special responsibility in regard to the foundation and development of Auroville as a township of international importance. During the last one year, a number of problems of varied nature have arisen affecting the smooth running of the said township which call for urgent solution. These problems cannot be tackled piecemeal on an ad-hoc basis. The Government of India have, therefore, decided to set up a Committee to consider the problems of Auroville in depth and in their entirety and help in their solution with a view to promoting the objectives set forth by the Mother in the Auroville Charter. This Committee will also evolve an appropriate procedure about the clearance for entry into and stay in Auroville of foreigners.

The Committee will consist of:-

Chairman

1. Shri B. T. Kulkarni, Lt. Governor, Pondicherry.

(1803)

Members

- 2. Shri V. Kartıkeyan, Chief Secretary, Government of Tamil Nadu.
- 3. Shri S. S Siddhu, Additional Secretary, Ministry of Home Affairs.

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to the following:—
1. Shri B. T. Kulkarni, Lt. Governor, Pondicherry, Administration, Pondicherry.

- 2. Shri V. Kartikeyan, Chief Secretary, Govt. of Tamil Nadu, Madras,
- Shri S. S. Siddhu. Additional Secretary, Ministry of Home Affairs, New Delhi.

Ordered also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

MAHESH PRASAD, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

मकरूप

मई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1976

संव्यू०-13019/11/76-जी० पी०. -- ओरोबिल टाउनिणपं की स्थापना, 'मदर' द्वारा 28 फरक्री, 1968 को धोषित चार्टर के आधार पर की गई हैं। मोरोविल विकास पियोजना में भारत सरकार तथा धनेक राज्य सरकारों ने पर्याप्त योगदान किया हैं। घोरोिक परयोजना भारत सरकार के पहल करने पर ही, 1966, 1968 तथा 1970 में यूनेस्को के पैरिस में हुए महा सम्मेलन में पारित संकल्पों के तहत चलाई गई थी। इसिलए, ब्रन्तर्राष्ट्रीय महत्व के टाउनिणप के रूप में घोरोबिल की स्थापना घौर विकास के संबंध में भारत सरकार की विशेष जिम्मेदारी हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान, ब्रनेक प्रकार की समस्यायें उत्पन्न हुई है जिनसे उक्त टाउनिणप के मुक्तारू रूप से संचालन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ा हैं घौर जिन्हे शीघ हल करने की धावश्यकता हैं। इन समस्याओं को तदर्थ धाधार पर ब्रल्ग धलग रूप से हल नहीं किया जा सकता। इसिलए, भारत सरकार ने घोरोविल की समस्याओं पर गहन तथा पूरी तरह विचार करने तथा उनके समाधान में मदद करने के लिए एक समिति बनाने का निर्णय किया हैं ताकि ब्रोरोविल चार्टर में 'मदर' द्वारा निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति की जा सके। यह सिनित बोरोविल में विदेशियों के प्रवेश तथा ठहरने के मबध में धनुर्मात देने के बारे में उचित कार्यविध भी तैयार करेगी।

इस समिति में निम्न लिखित सदस्य होंगे :--

प्रध्यक्ष

श्री बी॰ टी॰ कुलकर्णी, उप राज्यपाल, पाँच चेरी ।

संबंह्य

- श्री वी० कार्तिकेयण, मुख्य सचिव, तामिलनाडु सरकार, मद्रास
- 3. श्री एस० एस० सिद्धू, प्रपर सन्तिय, गृह मंत्रालय ।

ग्राहेश

यह म्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिश्विपि निम्नशिक्षित को भेजी जाए :---

- श्री बी० टी० कुलकर्णी, उप राज्यपाल, पांडिचेरी, प्रशासन, पांडिचेरी ।
- श्री वी० कार्तिकेयण, मुख्य मचिष, तामिलमनाड् सरकार, मद्रास ।
- श्री एस० एस० सिद्ध्, ग्रपर सचिव, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली ।

यह भी भ्रादेश दिया जाता हैं कि यह संकल्प भ्राम सुचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

महेश प्रसाद संयुक्त सन्ति ।